'पुलिस ही आरोपियों के साथ लिप्त है और उनके इशारों पर एफ.आई.आर. दर्ज कर रही है'

राजस्थान हाईकोर्ट में यह आदेश सत्यनारायण गुप्ता की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए बोली

- सत्यनारायण गुप्ता द्वारा इस मामले में उनके खिलाफ दायर एफ.आई.आर. को रद्द करने की गुहार की गई थी
- न्यायाधीश प्रवीण भटनागर द्वारा 16 मई को दिये गये आदेश में अदालत ने पाया कि सत्यनारायण गुप्ता के खिलाफ दायर एफ.आई.आर. को पुनः खुलवाने के बाद दूसरे जांच अधिकारी ने मामले में कोई नया सबूत या तथ्य नहीं खोजा केवल आरोपी और शिकायतकर्ता के बयान लिये। अदालत ने कहा कि इस मामले में प्रतीत होता है कि राजस्थान पुलिस द्वारा नियुक्त किये गये दूसरे जांच अधिकारी आरोपियों के साथ ही मिले हुए हैं।

जयपुर, 17 मई, (कासं)। कानून के अंतर्गत पुलिस को मुजरिमों को पकड़ने के लिये ही जांच के अधिकार दिये जाते है और यही कानून पुलिस को शक्तियां देता है कि वह आरोपी के खिलाफ एफ.आई.आर. दर्ज करें और अदालत के समक्ष ''चार्जशीट'' दायर कर जांच में पाये गये तथ्य पेश करे। पर हैरानी की बात है कि राजस्थान हाईकोर्ट के समक्ष ऐसा मामला आया जिसमें पुलिस ने आरोपी के साथ मिलकर एफ.आई.आर. दर्ज करने वाले शिकायतकर्ता को डराने-धमकाने के लिये उसके विरूद्ध एक दूसरी एफ.आई.आर. दर्ज करें।

इस मामले में हाईकोर्ट का दरवाजा प्रदेश के एक उद्योगपति व बिल्ड़र सत्यनारायण गुप्ता ने खटखटाया था। और इनकी ओर से पैरवी करने के लिये अधिवक्ता स्वदीप सिंह होरा और अधिवक्ता नरेश कुमार सेजवानी पैरवी के लिए पेश हुए। मामले के तथ्यों के अनुसार सत्यनारायण गुप्ता ने वर्ष 2023 में राजकुमार व अन्य के खिलाफ एफ.आई.आर. दर्ज कराई थी, जिसके अनुसार आरोपियों ने जयपुर में कलवाड़ स्थित पार्थसिटी में 3 प्लॉट पर कब्जा किया था। उल्लेखनीय है कि राजकुमार गुप्ता, सत्यनारायण गुप्ता और महिपाल यादव ने मिलकर क्षितिज कॉलोनाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड नामक एक कम्पनी वर्ष 2008 में गठित करी।

सत्यनारायण गुप्ता की ओर से अदालत में कहा गया कि 2023 की इस एफ.आई.आर. के चलते राजकुमार गुप्ता व अन्य कुछ लोगों ने पुलिस की मदद से उनके खिलाफ 2024 में एफ.आई.आर. दर्ज करी थी। जिसे अदालत को पूर्णतया खारिज कर देना चाहिए।

अदालत के समक्ष सुनवाई के दौरान सत्यनारायण गुप्ता की ओर से बताया गया कि 2024 की एफ.आई.आर. में शिकतायकर्ता का कहना है कि उन्होंने सत्यनारायण गुप्ता के झूठे वादों पर 6 करोड़ का लोन लिया था। इस लोन से उत्पन्न हुए विवाद को निपटाने के लिये सत्यनारायण गुप्ता ने उन्हें पार्थसिटी में तीन प्लॉट दिये। आरोपियों का यह भी कहना है कि उन्होंने इन प्लॉट्स को लेने के एवज में सत्यनारायण गुप्ता को 50 लाख रुपये नकद भी दिये।

हालांकि सत्यनारायण गुप्ता की ओर से दायर 2023 की एफ.आई.आर. में स्पष्ट लिखा है कि वर्ष 2016 में ही राजकुमार गुप्ता व अन्य ने पार्थसिटी में 3 प्लॉट को हथियाने की साजिश शुरू कर दी थी।

सत्यनारायण गुप्ता की ओर से अदालत में कहा गया है कि 2024 में राजकुमार व अन्य दर्ज करी गई एफ.आई.आर. में इस तथ्य को छुपाया कि उनके खिलाफ भी उसी पुलिस स्टेशन में एफ.आई.आर. दर्ज है, जिसमें आरोपी सत्यनारायण गुप्ता ही है।

आरोपीगण राजकुमार गुप्ता व अन्य द्वारा दायर एफ.आई.आर. की जांच में इंवेस्टिगेशन एजेंसी (जांच एजेंसी) ने पाया कि मामला ''सिविल नैचर'' का है, जिसके बावजूद इस विवाद को अपराधिक मोड़ दिया जा रहा है और पुलिस के जरिये दबाव दिया जा रहा है। हैरानी की बात है कि ''तथ्यात्मक रिपोर्ट'' जारी किये जाने के बाद भी इस मामले को 2025 में पुनः खोला गया और राजस्थान पुलिस ने एक नया जांच अधिकारी नियुक्त किया, जिसने केवल सत्यनारायण गुप्ता और आरोपियों का पुनः बयान दर्ज किया और यह पाया कि मामले में 420 और अपराधिक रूप से विश्वास भंग करने का मामला दर्ज किया जा सकता है।

सत्यनारायण गुप्त की ओर से अदालत में पैरवी के दौरान कहा गया कि राजकुमार व अन्य द्वारा दायर मामले में एफ.आई.आर. को रद्द नहीं किया जाए तो वह कानून की नजरों में गलत उदाहरण पेश करेगा और पुलिस दण्डात्मक कार्यवाही को जारी रखेगा। जिसकी आड़ में आरोपी सत्यनारायण गुप्ता से भारी रकम ऐंठना चाहते है।

अदालत में मामले की सुनवाई करते हुए पाया कि राजकुमार व अन्य द्वारा 2024 में, कथित विवाद के 8 साल बाद एफ.आई.आर. दर्ज करवाना, बड़ा ही विचित्र गणनाक्रम है। अदालत को इस बात पर भी विश्वास नहीं हो रहा है कि बिना ''एग्रीमेंट'' (अनुबंधन) के कोई 3 प्लॉट किसी को क्यों बेचेगा, और बाद में प्लॉट के एवज में दिये गये चैक को भी इनकैश नहीं कराएगा। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि इस मामले में यह भी हैरानी की बात है कि आरोपियों का कहना है कि उनकी ओर से 50 लाख रूपये बिना किसी रसीद के सत्यनारायण गुप्ता को दिये गये है, और प्लॉट के पट्टे भी उनके पास नहीं है। अदालत ने अपने आदेश में पाया कि दूसरे जांच अधिकारी ने मामले को पुनः खोलने के लिये कोई नया सबूत या तथ्य नहीं खोजा केवल आरोपी और शिकायतकर्ता के बयान लिये। अदालत ने कहा कि इस मामले में प्रतीत होता है कि राजस्थान पुलिस द्वारा नियुक्त किये गये दूसरे जांच अधिकारी आरोपियों के साथ ही मिले हुए है।

हैरानी की बात है कि सत्यनारायण गुप्ता द्वारा 2023 में दायर करी गई एफ.आई.आर. पर अभी तक जांच लम्बित है, और कोई निष्कर्ष सामने नहीं आया।

समदर सिंह और विक्रम सिंह को मिला रंगरीत कला अवार्ड

- गोविन्द रामदेव को 'रंगरीत कला कौस्तुभ' सम्मान तथा युवा चित्रकार उदयपुर के मनदीप शर्मा 'रंगरीत चंद्रकला मणी' सम्मान प्रदान किया

जयपुर। जवाहर कला केन्द्र की ओर से 2 मई से आयोजित रंगरीत कला महोत्सव के तहत शनिवार को रंगरीत कला अवार्ड समारोह आयोजित किया गया। इस मौके पर प्रदेश के दो वरिष्ठ चित्रकार जयपुर के समदर सिंह खंगारोत 'सागर' और जयपुर के ही गोविन्द रामदेव को इस वर्ष का 'रंगरीत कला कौस्तुभ' सम्मान तथा युवा चित्रकार उदयपुर के मनदीप शर्मा और जयपुर के विक्रम सिंह राठौड़ को 'रंगरीत चंद्रकला मणी' सम्मान प्रदान किया गया। ये सभी कलाकार चित्रकला की विभिन्न पारंपरिक शैलियों में कला साधना कर रहे हैं। चारों कलाकारों को केंद्र की अतिरिक्त महानिदेशक (एडीजी) अलका मीणा और वरिष्ठ लेखाधिकारी बिंदु भोभरिया ने शॉल, श्रीफल, स्मृति चिन्ह और प्रशंसा पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। वर्कशॉप में हिस्सा लेने वाले कलाकारों को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। समारोह में प्रदर्शित कृतियों का रविवार को भी सुबह 11 से शाम 6 बजे तक अवलोकन किया जा सकता है, रविवार को समारोह का अंतिम दिन है।

सभी ने चित्रकार समदर सिंह खंगारोत, गोविन्द रामदेव,रामू रामदेव, बीकानेर के महावीर भारती, जयपुर के सुधीर वर्मा, उदयपुर के शैल चोयल, अजमेर के राम जायसवाल, दिल्ली की सुमित्रा अहलावत, उदयपुर के मनदीप शर्मा तथा जयपुर के विक्रम सिंह राठौड़ की कृतियों में विशेष रूचि दिखाई तथा उनकी गहनता से जानकारी हासिल की।

भीषण गर्मी में पर्यटक व आम नागरिको को राहत देने के लिये हवा महल के सामने पानी का छिड़काव किया ।

चिकित्सा संस्थानों व औषधि भण्डार गृहों का निरीक्षण किया

जयपुर। राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन की ओर से दवा आपूर्ति प्रबंधन को सुदृढ़ रखने के उद्देश्य से प्रदेशभर में औषधि भण्डार गृहों एवं चिकित्सा संस्थानों का निरीक्षण किया जा रहा है। आरएमएससीएल की प्रबंध निदेशक श्रीमती नेहा गिरि के निर्देशन में किए जा रहे इन निरीक्षणों के तहत मुख्यालय से टीमें विभिन्न जिलों का दौरा कर औषधियों की उपलब्धता, लू तापघात प्रबंधन, ऑक्सीजन की उपलब्धता, उपकरणों का रख रखाव एवं विभागीय कार्यक्रमों के क्रियान्वयन का सघन परीक्षण कर रही हैं। निरीक्षण की कड़ी में कार्यकारी निदेशक लॉजिस्टिक डॉ. कल्पना व्यास एवं जयपुर प्रथम के श्री संजय शर्मा द्वारा राजकीय बीडीएम जिला अस्पताल कोटपूतली एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोविंदगढ़ का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान चिकित्सा अधिकारियों व विभागीय कार्मिकों को नि:शुल्क दवा योजना के प्रभावी क्रियान्वयन, लू तापघात प्रबंधन के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए तथा चिकित्सा संस्थानों में लू तापघात से बचाव व नियंत्रण के लिए की गई व्यवस्थाओं के बारे में विस्तार से जानकारी ली गई। कार्यकारी निदेशक ने क्षेत्र में हीटवेव से बचाव एवं उपचार के लिए बेहतर प्रबंधन बनाए रखने के साथ ही प्रमुख चिकित्सा अधिकारी एवं विभागीय कार्मिकों को अलर्ट मोड और प्रो-एक्टिव एप्रोच के साथ काम करने के निर्देश दिए।

प्रशासनिक आधार के नाम पर 450 किमी दूर किया तबादला आदेश निरस्त

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने केवल प्रशासनिक आधार का हवाला देकर एएनएम का तबादला सीकर से 450 किमी दूर जालौर करने वाला चिकित्सा विभाग के आदेश को आदेश निरस्त कर दिया है। जस्टिस श्रीचन्द्रशेखर और जस्टिस चंद्रशेखर शर्मा की खंडपीठ ने यह आदेश छोटी देवी की विशेष अपील याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

अपील में अधिवक्ता सुनील कुमार सिंगोदिया ने अदालत को बताया कि अपीलार्थी सीकर में एएनएम के पद पर कार्यरत थी। इसी दौरान चिकित्सा विभाग ने गत 15 जनवरी को उसका तबादला लोकहित व प्रशासनिक आधार बताकर 450 किमी दूर जालौर कर दिया। इसे उसने सिविल सेवा अपीलीय अधिकरण में चुनौती दी, लेकिन अधिकरण ने उसकी अपील को खाजिर कर दिया। वहीं हाईकोर्ट की एकलपीठ से राहत नहीं मिलने पर उसे खंडपीठ में अपील दायर की। अपील में कहा गया कि अपीलार्थी के तबादला आदेश में सिर्फ प्रशासनिक आधार लिखने से ही वह न्यायोचित नहीं हो जाता। उसके ससुर हार्ट के मरीज है और उनकी देखरेख के लिए उसका तबादला आदेश निरस्त किया जाए। अपील में यह भी कहा गया कि विभाग अधिकरण और एकलपीठ के समक्ष सुनवाई के दौरान यह नहीं बता सका कि अपीलार्थी का तबादला करने के पीछे कौन से प्रशासनिक कारण थे। ऐसे में उसके तबादला आदेश को रद्द किया जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने अपीलार्थी के तबादला आदेश को रद्द कर दिया है।

आठ साल से फरार बीस हजार रुपये का इनामी गिरफ्तार

जयपुर। श्याम नगर थाना पुलिस और जिला स्पेशल टीम जयपुर दक्षिण (डीएसटी) ने कार्रवाई करते हुए पॉक्सो एक्ट मामले में आठ साल से फरार बीस हजार रुपये के इनामी आरोपित को पकडा है। पुलिस जानकारी में सामने आया कि आरोपित पुलिस से बचने के लिए आठ साल से अलग-अलग जगहों फरारी काट रहा था। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

श्याम नगर थाना पुलिस और जयपुर दक्षिण डीएसटीने कार्रवाई करते हुए पोक्सो एक्ट मामले में आठ साल से फरार बीस हजार रुपये के इनामी आरोपी राजेश सैनी निवासी सांगानेर जयपुर को गिरफ्तार किया है। आरोपित आठ साल से तलाश के बादभी गिरफतारी होने पर पुलिस उपायुक्त कार्यालय दक्षिण की ओर से बीस हजार रूपये की इनाम की घोषणा की गई।

आई.पी.एल. के दौरान स्टेडियम के आस-पास बदली यातायात व्यवस्था

- यूनिवर्सिटी गेट की तरफ से यूनिवर्सिटी मोड टोंक रोड़ की तरफ आने वाले सामान्य यातायात को जनता स्टोर से डायवर्ट कर समानान्तर मार्गो से निकाला जायेगा
- क्रिकेट मैच समाप्त होने तक जयपुर शहर में भारी वाहनो का प्रवेश निषेध रहेगा। क्रिकेट मैच समाप्त होने तक जयपुर शहर में भारी वाहनो का प्रवेश निषेध रहेगा। वीआईपी के वाहनों की पार्किंग स्टेडियम के अन्दर ही साउथ ब्लाक में की जायेगी।

जयपुर। राजधानी जयपुर में रविवार को राजस्थान रॉयल्स और पंजाब किंग्स आईपीएल 2025 टी-20 क्रिकेट मैच सवाई मानसिंह स्टेडियम जयपुर में शाम साढ़े तीन बजे से खेला जाएगा है। मैच देखने के लिये वीआईपी, विशिष्ट अतिथि/अधिकारी एवं काफी संख्या मे दर्शको के आने की संम्भावना है। क्रिकेट मैच के दौरान यातायात के सुगम एवं सुव्यवस्थित संचालन के लिए यातायात व्यवस्था निम्न प्रकार से रहेगी। यातायात पुलिस के अनुसार यूनिवर्सिटी गेट की तरफ से यूनिवर्सिटी मोड टोंक रोड़ की तरफ आने वाले सामान्य यातायात को जनता स्टोर से डायवर्ट कर समानान्तर मार्गो से निकाला जायेगा

टोंक रोड पर चलने वाले यातायात को वाहनो का अत्यधिक दबाव होने की स्थिति में मैच में आने वाले दर्शको के वाहनों के अलावा सामान्य यातायात को गांधीनगर मोड़ से गांधी सर्किल की तरफ एवं आरबीआई कट से गणेश मंदिर की तरफ डायवर्ट किया जायेगा। वाहनो का अत्यधिक दबाव होने की स्थिति में जेडीए चौराहा से रामबाग चौराहा की तरफ आने वाले यातायात को मैच में आने वाले दर्शको के वाहनों के अलावा सामान्य यातायात को जेडीए चौराहा से गांधी सर्किल,त्रिमूर्ति सर्किल की तरफ डायवर्ट किया जायेगा।

वाहनो का अत्यधिक दबाव होने की स्थिति में स्टेच्यू सर्किल की तरफ से पोलो सर्किल की तरफ आने वाले यातायात को मैच में आने वाले दर्शको के वाहनों के अलावा सामान्य यातायात को स्टेच्यू सर्किल से डाईवर्ट कर समानान्तर मार्गो से निकाला जायेगा।

पंकज सिघंवी मार्ग से विधानसभा तिराहा के मध्य संचालित होने वाले सामान्य यातायात को आवश्यकतानुसार मैच में आने वाले दर्शको के वाहनों के अलावा सामान्य यातायात को डायवर्ट कर समानान्तर मार्गो से निकाला जायेगा। क्रिकेट मैच के दौरान रोड़वेज बसो का आवागमन नारायण सिंह तिराहे, पृथ्वीराज टी. पोंईट, पृथ्वीराज रोड, स्टेच्यू सर्किल, पार्क प्राईम, चोमू हाउस चौराहा से रहेगा।क्रिकेट मैच के दौरान गांधी नगर मोड़ से नारायण सिंह तिराहा तक टोंक रोड़, रामबाग सर्किल से 22 गोदाम सर्किल तक भवानी सिंह रोड़, स्टेच्यू सर्किल से विधानसभा तिराहा तक जनपथ, विधानसभा तिराहा से फ्रुट मण्डी कट, टोंक रोड तक पंकज सिंघवी मार्ग पर सभी प्रकार के वाहनों की पार्किंग निषेध रहेगी।

क्रिकेट मैच समाप्त होने तक जयपुर शहर में भारी वाहनो का प्रवेश निषेध रहेगा। वीआईपी के वाहनों की पार्किंग स्टेडियम के अन्दर ही साउथ ब्लाक में की जायेगी। दक्षिणी गेट से प्रवेश करने वाले पासधारक वाहनों की पार्किंग फुटबॉल/आर्चरी ग्राउंड में की जायेगी। पूर्वी द्वार से प्रवेश करने वाले दर्शकों के वाहनों की पार्किंग सुबोध स्कूल/कॉलेज ग्राउंड रामबाग के पास निर्धारित पार्किंग स्थल पर पार्क की जायेंगी।उत्तरी द्वार से प्रवेश करने वाले दर्शकों के वाहनों की पार्किंग एसएमएस. इन्वेस्टमेन्ट ग्राउण्ड, अम्बेडकर सर्किल के पास निर्धारित पार्किंग स्थल पर पार्क की जायेंगी।

पश्चिमी द्वार से प्रवेश करने वाले दर्शकों के वाहनों की पार्किंग निर्धारित पार्किंग स्थल अमरुदों के बाग में पार्क की जायेंगी। क्रिकेट मैच समाप्ती के बाद पार्क वाहनो का निकास कटपुतली रोड़ की तरफ से रहेगा। एम्बुलेंस एवं आवश्यक सेवाओं के वाहन निर्बाध रूप से आवागमन कर सकेंगे। आमजन से अपील है कि उक्त कार्यक्रम के दौरान समानांतर मार्गों का प्रयोग करें।

पंच कुंडीय गायत्री महायज्ञ आज

जयपुर। आराध्य देव गोविंद देवजी मंदिर में रविवार कोमंदिर महंत अंजन कुमार गोस्वामी के सान्निध्य में सुबह आठ से दस बजे तक पंच कुंडीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा।

इस मौके पर परिणय अनुयाज कार्यक्रम का आयोजन भी किया जाएगा। इसमें में ऐसे कई जोड़े परिवार सहित शामिल होंगे जिनका विवाह पिछले दिनों ही संपन्न हुआ है। नव विवाहित जोड़ों को सुखी गृहस्थ जीवन के सूत्र बताए जाएंगे। परिणय अनुयाज कार्यक्रम गायत्री महायज्ञ के साथ ठीक आठ बजे प्रारंभ हो जाएगा। पूजा-अर्चना के बाद दाम्पत्य जीवन को सुखी बनाने वाले स्वर्ण सूत्र बताए जाएंगे। इसके बाद गायत्री महायज्ञ में आहुतियां प्रदान की जाएंगी। करीब साढ़े नौ बजे सभी जोड़े ठाकुरजी के दर्शन करेंगे। सभी जोड़े देहली पूजन कर ठाकुरजी का आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। सभी जोड़ों को कुछ उपहार भी दिए जाएंगे।

बेकाबू होकर बाइक ई रिक्शा में घुसी,बाइक सवार की मौत, साथी घायल

जयपुर। अशोक नगर थाना इलाके में स्थित भाजपा कार्यालय के सामने एक तेज रफ्तार बाइक बेकाबू होकर आगे चल रहे ई रिक्शा में जा घुसी। इससे बाइक सवार युवक की मौत हो गई, जबकि उसका साथी घायल हो गया। मामले की जांच दुर्घटना थाना पुलिस साउथ कर रही है। हादसे के बाद घटना के दौरान वहां से जा रहा बाइक सवार युवक रुका। उसने कई लोगों से मदद मांगी, लेकिन किसी ने उसकी मदद नहीं की। इस पर युवक ने ई रिक्शा में दोनों घायलों को बैठाकर अस्पताल पहुंचाया। घटना की सूचना पर दोनों युवकों के परिजन अस्पताल पहुंच गए थे।

पुलिस के अनुसार मंडावरी दौसा निवासी 20 वर्षीय अमित कुमार मीणा शुक्रवार रात को अपने साथी के साथ बाइक से कहीं जा रहा था इसी दौरान भाजपा कार्यालय के सामने एक ई रिक्शा में उनकी बाइक बेकाबू होकर घुस गई। इससे बाइक सवार दोनों युवक घायल हो गए। मददगार बने बाइक सवार युवक ने दोनों को एक निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां से उन्हें एसएमएस अस्पताल रेफर कर दिया गया। एसएमएस में उपचार के दौरान अमित कुमार की मौत हो गई, जबकि उसके साथी को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। जांच अधिकारी हेड कांस्टेबल हरिनारायण ने बताया कि अमित जयपुर में रहकर प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहा था। वह अपने दोस्त के साथ बाइक से जा रहा था। उसकी बाइक आगे चल रहे ई रिक्शा में जा घुसी। इससे दोनों घायल हो गए थे, उपचार के दौरान अमित की मौत हो गई। घायलों की एक बाइक सवार युवक ने मदद की थी और उन्हें अस्पताल पहुंचाया था।

सिरसी रोड से मुंडियारामसर तक किए जा रहे ड्रेनेज प्रोजेक्ट में गड़बड़ी कर रहा ठेकेदार

- कल्वर्टर बाक्स को ढकने के लिए लोहे के जाल की बजाय सीमेंट के फेरो कवर लगाए, इससे पानी निकलने की बजाय वापस पानी भरने की समस्या पैदा हो जाएगी,बॉक्स डालने का लाभ जनता को नहीं मिलेगा। इससे ठेकेदार को लाखों रुपए का फायदा होगा

जयपुर। जेडीए के जोन 7 में सिरसी रोड से मुंडियारामसर तक डाले जा रहे कल्वर्टर बाक्स को ढकने के लिए लोहे के जाल की बजाय सीमेंट के फेरो कवर लगाए जा रहे हैं। इससे पानी निकलने की बजाय वापस पानी भरने की समस्या पैदा हो जाएगी। बॉक्स डालने का लाभ जनता को नहीं मिलेगा। इससे ठेकेदार को लाखों रुपए का फायदा होगा और पानी भरने की समस्या यथावत बनी रहेगी।

जेडीए ने जोन 7 में इस काम के लिए 48 करोड़ रुपए में टेंडर किया है जो लालचंद तिवारी के नाम पर खुला है। मौके पर हालात यह है कि न तो ठेकेदार और न ही जेईएन कोई भी मौजूद नहीं है। सिर्फ नौसिखिया लेबर ये फेरो कवर लगा रही है जबकि जी शिड्यूल् में लोहे के जाल बता रखे हैं पर मौके पर ये जाल की बजाय सीमेंट के फेरो कवर लगाए जा रहे हैं जो हल्के और नियमों के विपरीत हैं।

चैंबर बनाने में भी धांधली:- पानी की निकासी के लिए बाक्स के बीच में चैंबर बनाया जा रहा है। इसमें भी जमकर धांधली की जा रही हैं। चैंबर बनाने में फर्श पर

रोड़ी बजरी सीमेंट का मिक्सचर नहीं डाला जा रहा है। इसमें प्री कास्ट की बजाय सीमेंट के ब्लॉक इस्तेमाल किए जा रहे हैं जबकि ये चैंबर लोहा के सरिए लगा कर प्री कॉस्ट करके लगाने चाहिए। साथ नीचे सीमेंट का फर्श बना कर बिछाई जाती है। इससे चैंबर के बरसात में बैठने का खतरा नहीं होता। ठेकेदार लालचंद तिवारी ने यह काम एचआर कंस्ट्रक्शन को सबलेट किया हुआ है।

इससे ठेकेदार लाखों रुपए की बचत हो रही है लेकिन काम की क्वालिटी खराब हो रही है। पानी आने के बाद लीकेज होने से बाक्स का लेवल बिगड़ेगा जिससे सड़क में बड़ा गड्ड़ा हो सकता है। सड़क में पानी भर सकता है।

मौके पर बाक्स डालते ओर चैंबर बनते समय समय जेईएन का होना जरूरी है पर मौके पर कोई मौजूद नहीं रहता। इससे गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है।

नौसिखिया लेबर ही बाक्स डालने ओर चैंबर बनाने का काम कर रही है। उन्हें न तो लेवल का पता है और न ही सामान का। मौके पर जो मसाला बनाया जा रहा है उसमें एम सैंड की बजाय रेत का इस्तेमाल हो रहा हैं वो मिक्सर मशीन से बना कर नहीं डाला जा रहा है। ऐसे में कितनी सीमेंट, कंक्रीट डाली जाएगी इसका भी कोई पता नहीं है।

ठेकेदार को लाखों रुपए की बचत हो रहा:- ड्रेनेज बाक्स डालते समय बीच बीच में बनाए जा रहे हैं चैंबर के लिए मौके पर सीमेंट के ब्लॉक लगाए जा रहे है। इसकी बजाय प्रीकास्ट चैंबर ही इस्तेमाल किया जाना चाहिए जिससे मजबूती आती। ठेकेदार बचत करने के चक्कर में प्रीकास्ट चैंबर नहीं लगा कर मौके पर सीमेंट ब्लॉक से बना रहा है। इससे भी ठेकेदार को लाखों रुपए की बचत हो रही है।

ड्रेनेज बाक्स डालने से पहले खड्डा खोद कर कंक्रीट बजरी और सीमेंट मिला कर फर्श तैयार किया जाना चाहिए। इसे सूखने और तराई करने के बाद कल्वर्टर बाक्स डालना चाहिए जिससे मिट्टी के ढहने की आंशका कम हो जाती है। साथ ही बाक्स मजबूती से मिट्टी के ऊपर टिके रहते हैं। इसी तरह लेवल का ध्यान रखना भी जरूरी है।

शक्ति हो तो दुनिया प्रेम की भाषा भी सुनती है : सरसंघचालक डॉ. भागवत

- सरसंघचालक जयपुर के हरमाडा स्थित रविनाथ आश्रम में पुण्यतिथि कार्यक्रम को सम्बोधित किया

जयपुर । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि दुनिया तब ही आपको सुनती है, जब आपके पास शक्ति हो। उन्होंने कहा कि भारत विश्व का सबसे प्राचीन देश है। उसकी भूमिका बड़े भाई की है। भारत विश्व में शांति और सौहार्द के लिए कार्य कर रहा है।

सरसंघचालक शनिवार को जयपुर के हरमाडा स्थित रविनाथ आश्रम में आयोजित रविनाथ महाराज की पुण्यतिथि के कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि इस आश्रम के मंच पर ना ही मैं सम्मान का अधिकारी हूं और ना ही मैं भाषण का अधिकारी हूं। और सम्मान होना ही है तो मैं अकेला तो कुछ नहीं कर रहा हूं। 100 साल से परवर्तित परंपरा चल रही है। उस परंपरा में लाखों कार्यकर्ता है। प्रचारको जैसे ही गृहस्थ कार्यकर्ता भी हैं। इतने सारे कार्यकर्ताओं के परिश्रम का परिणाम अगर कुछ है, अगर वह स्वागत और सम्मान योग्य हैं तो यह उनका सम्मान है। यह सम्मान संतों की आज्ञा से ही में ग्रहण कर रहा हूं।

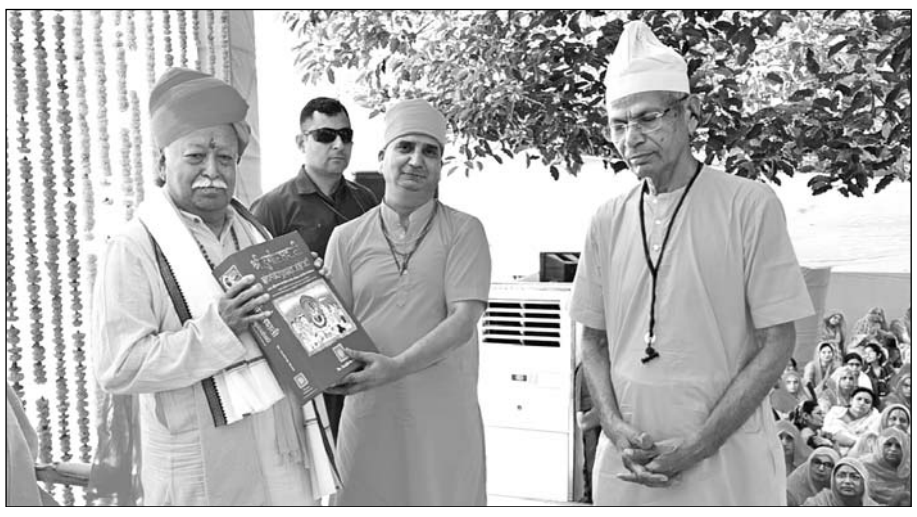

कार्यक्रम में भावनाथ महाराज ने मोहन भागवत को सम्मानित किया।

डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि भारत में त्याग की परंपरा रही हैं। भगवान श्री राम से लेकर भामाशाह को हम पूजते और मानते हैं। भागवत ने कहा की विश्व को धर्म सिखाना भारत का कर्तव्य है लेकिन इसके लिए भी शक्ति की आवश्यकता होती है। पाकिस्तान पर हालिया कार्रवाई की चर्चा करते हुए कहा कि भारत किसी से द्वेष नहीं रखता लेकिन विश्व प्रेम और मंगल की भाषा भी तब ही सुनता है जब आपके पास शक्ति हो। यह दुनिया का स्वभाव है। इस स्वभाव को बदला नहीं जा सकता, इसलिए विश्व कल्याण के लिए हमें शक्ति संपन्न होने की आवश्यकता है। और हमारी ताक़त विश्व ने देखी है।

उन्होंने कहा कि विश्व कल्याण हमारा धर्म है। विशेषकर हिंदू धर्म का तो यह पक्का कर्तव्य है। यह हमारी ऋषि परंपरा रही है जिसका निर्वहन संत समाज कर रहा है। मोहन भागवत ने रविनाथ महाराज के साथ बिताए अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि उनकी करुणा से हम लोग जीवन में अच्छा कार्य करने के लिए प्रेरित होते हैं। कार्यक्रम में भावनाथ महाराज ने मोहन भागवत को सम्मानित किया। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।